ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–51

दिनांक: मंगलवार, 07 जुलाई, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 36.0 एवं 26.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 84 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 74 प्रतिशत, हवा की औसत गति 14. 5 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 5.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन8 .8घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से0मी0 गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 32.0 एवं दोपहर में 38.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।इस अवधि 13.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(08–12 जुलाई, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 8 जुलाई से 12 जुलाई, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि के दौरान उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर 10–12 जुलाई के आस–पास मेघगर्जन, वज्रपात तथा तेज झोंकेदार हवा चलने की संभावना है। पूर्वानुमान की अवधि में ज्यादातर दिनों में आकाश में हल्के से मध्यम बादल देखे जा सकते है। हलाकि 10 से 12 जुलाई के बीच घने बादल आ सकते है। मुजफ्फरपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, पूर्वी चंपारण तथा पश्चिमी चंपारण जिलों के अनेक स्थानों पर 11–12 जुलाई के बीच अच्छी वर्षा हो सकती है। अन्य जिलों में पूरे पूर्वानुमान की अवधि में अच्छी वर्षा की संभावना नहीं है, हल्की–हल्की वर्षा हो सकती है। एक–दो स्थानों पर मध्यम वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 34–37°C तथा न्यूनतम तापमान 24–28°C के बीच रहने का अनुमान है।
- सुबह में सापेक्षिक आर्द्रता 80–85 प्रतिशत तथा दोपहर में सापेक्षिक आर्द्रता 45–50 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमान अवधि में हवाएँ मुख्यतः पूर्वी दिशा से 12–18 किमी प्रति घंटा की गति से चलने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- **धान:** वर्षा की कमी को देखते हुए *प्रभात, राजेन्द्र सरस्वती* एवं *राजेन्द्र भगवती* जैसी अगात किस्मों की बुआई मध्य जुलाई तक करें। कम वर्षा की स्थिति में सीधी बुआई हेतु *राजेन्द्र भगवती* एवं *राजेन्द्र नीलम* उपयुक्त हैं। बुआई से पूर्व बीजों को कार्बेन्डाजिम/2.0 ग्राम/किग्रा बीज से उपचारित करें तथा 10–15 दिन पुरानी नर्सरी में समय पर निराई–गुड़ाई करें। सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होने पर *राजेन्द्र नीलम, राजेन्द्र कस्तूरी* एवं *राजेन्द्र श्वेता* जैसी मध्यम अवधि की किस्मों की रोपाई प्रारम्भ करें।
- **तिल:** जहाँ वर्षा की कमी के कारण धान की खेती संभव नहीं है, वहाँ उचास जमीन में तिल को वैकल्पिक फसल के रूप में अपनाएँ। मध्य जुलाई तक बुआई करें, बीजों को थीरम/2 ग्रामधकिग्रा बीज से उपचारित करें तथा 30×10–15 सेमी की दूरी रखें। अंतिम जुताई के समय कम्पोस्ट एवं अनुशंसित उर्वरकों का प्रयोग करें।
- **खरीफ मक्का:** उपलब्ध मृदा नमी का उपयोग करते हुए इसकी बुआई शीघ्र कर लें। अंतिम जुताई के समय 100–150 क्विंटल एफ.वाई.एम. (FYM) के साथ 50 किलोग्राम नत्रजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस एवं 50 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर बुआई के समय उपयोग करें। बुआई के लिए *शक्तिमान*–2, *शक्तिमान*–5, *शक्तिमान*–6 एवं *राजेन्द्र शंकर मक्का*–3 किस्में अनुशंसित हैं।
- **मोटे अनाज (श्री अन्न):** उचास एवं अच्छी जल निकास वाली जमीन में रागी (*राजेन्द्र मड़ुआ, आर.यू*–8, *आर.यू*–3) तथा कौनी (*राजेन्द्र कौनी*–1) की बुआई करें।
- **अरहर:** उचास जमीन में धान के विकल्प के रूप में खरीफ अरहर की खेती अपनाएँ। *बहार, पूसा*–9, *राजेन्द्र अरहर*–1 एवं *राजेन्द्र अरहर*–2 किस्मों का चयन करें। बीज उपचार के बाद अनुशंसित दूरी एवं उर्वरक प्रबंधन अपनाएँ तथा जल निकास की उचित व्यवस्था रखें।
- **सूरजमुखी:** उचास एवं अच्छी जल निकास वाली जमीन में बुआई करें। अनुशंसित कंपोजिट एवं संकर किस्मों का चयन करें। अंतिम जुताई के समय एफ.वाई.एम., नत्रजन, फास्फोरस, पोटाश एवं गंधक की अनुशंसित मात्रा का व्यवहार करें तथा बीजों को थीरम/कैप्टाफ/2.5 ग्राम/किग्रा बीज से उपचारित करें।
- **ईख:** जिन क्षेत्रों में वर्षा अत्यंत कम हुई है, वहाँ वसंतकालीन ईख की फसल में आवश्यकता अनुसार सिंचाई देकर खेतो में पर्याप्त नमी बनाए रखें, ताकि नमी की कमी से फसल पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।
- **कृषि वानिकी:** वर्तमान मौसम की परिस्थितियाँ नए फलदार पौधों एवं कृषि वानिकी पौधों के रोपण के लिए अनुकूल हैं। पौधरोपण से पहले दीमक एवं सफेद सूंडी (व्हाइट ग्रब) के प्रकोप से बचाव हेतु क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी/5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से गड्ढों का उपचार करें।
- **दूधिया मशरूम:** इच्छुक किसान वर्तमान मौसम में दूधिया मशरूम की खेती प्रारम्भ कर सकते हैं।
- **दुधारू पशु:** दुधारू पशुओं को खुरपका–मुंहपका (एफएमडी), लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) आदि रोगों से बचाव हेतु समय पर टीकाकरण कराएं तथा उनके समुचित स्वास्थ्य एवं प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें।
- जिन स्थानों पर थोड़ी अच्छी वर्षा हो रही है, वहाँ किसान खेतों की मजबूत मेड़बंदी कर वर्षा जल का अधिकतम संरक्षण करें, ताकि आवश्यकता पड़ने पर इसका उपयोग कृषि कार्यों में किया जा सके।

आज का अधिकतम तापमानः 31.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 24.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी